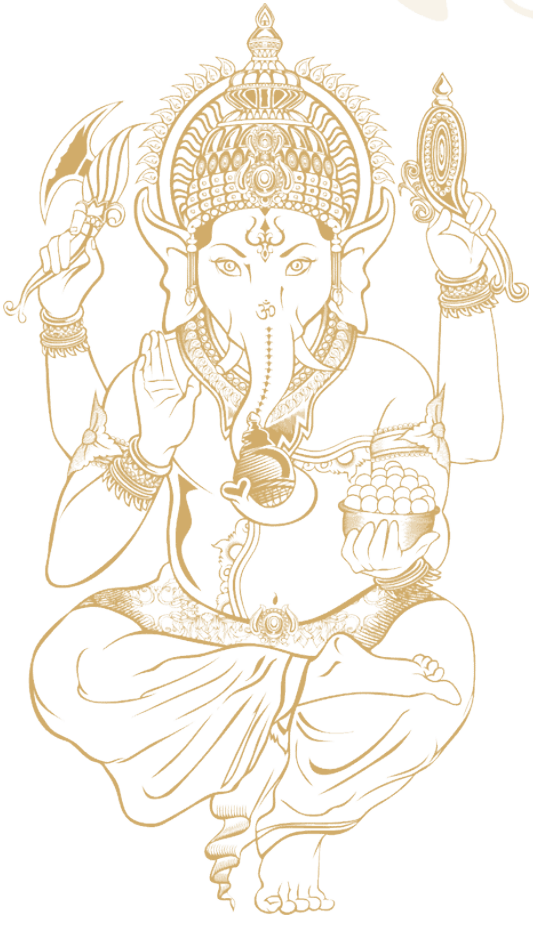

Mr.

09 Feb 2009

02:35 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121674802

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**8-09/02/2009**
दिन	रवि-सोमवार
जन्म समय	**02:35:00 घंटे**
इष्ट	48:44:33 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	02:13:52 घंटे
वेलान्तर	-00:14:12 घंटे
साम्पातिक काल	11:30:15 घंटे
सूर्योदय	07:05:10 घंटे
सूर्यास्त	18:05:48 घंटे
दिनमान	11:00:38 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	26:15:25 मकर
लग्न के अंश	17:17:31 वृश्चिक

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृश्चिक - मंगल
राशि-स्वामी	**कर्क - चन्द्र**
नक्षत्र-चरण	**पुष्य - 4**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	सौभाग्य
करण	विष्टि
गण	देव
योनि	मेष
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	डा-डालचंद
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृश्चि	17:17:31	311:29:33	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	---
सूर्य			मक	26:15:25	01:00:44	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	गुरु	शत्रु राशि
चंद्र			कर्क	16:07:07	14:47:25	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	गुरु	स्वराशि
मंगल		अ	मक	09:16:33	00:46:31	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	उच्च राशि
बुध			मक	00:49:09	00:43:52	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	राहु	सम राशि
गुरु			मक	14:04:18	00:14:03	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	नीच राशि
शुक्र			मीन	10:30:59	00:44:25	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	सूर्य	उच्च राशि
शनि	व		सिंह	26:27:41	00:03:46	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	केतु	शत्रु राशि
राहु	व		मक	15:18:57	00:00:02	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	मित्र राशि
केतु	व		कर्क	15:18:57	00:00:02	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	गुरु	मित्र राशि
हर्ष			कुंभ	26:50:31	00:03:04	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	---
नेप			मक	29:48:36	00:02:17	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	---
प्लूटो			धनु	08:32:03	00:01:37	मूल	3	19	गुरु	केतु	गुरु	---
दशम भाव			सिंह	27:55:09	--	उ०फाल्गुनी	--	12	सूर्य	सूर्य	चंद्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:59:18

लग्न-चलित

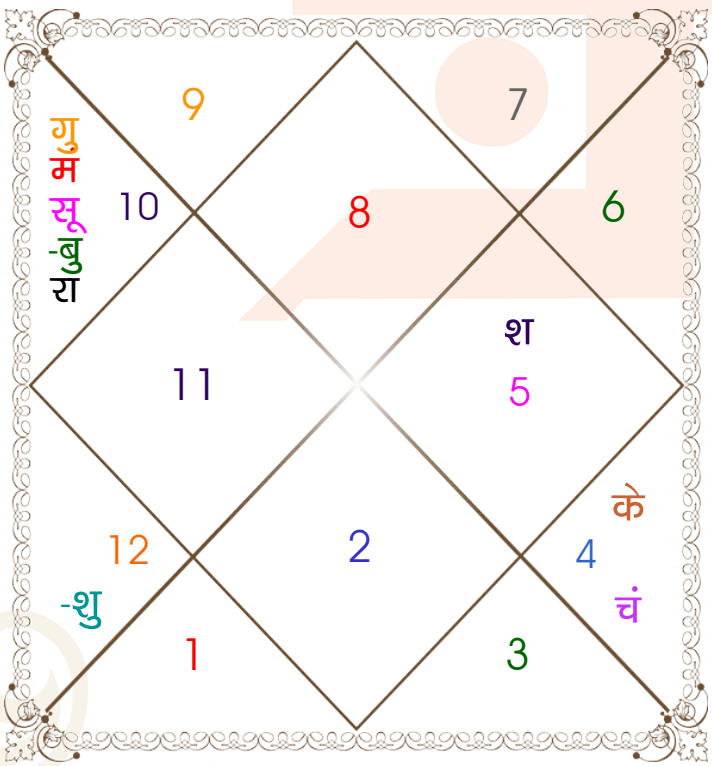

चन्द्र कुंडली

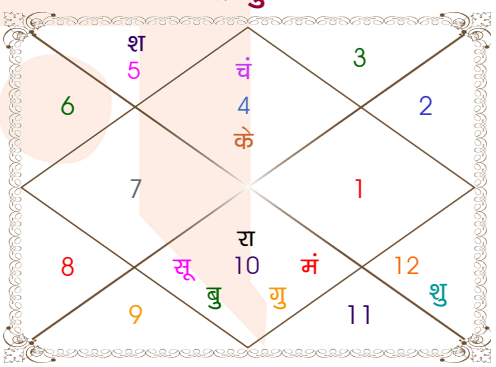

नवमांश कुंडली

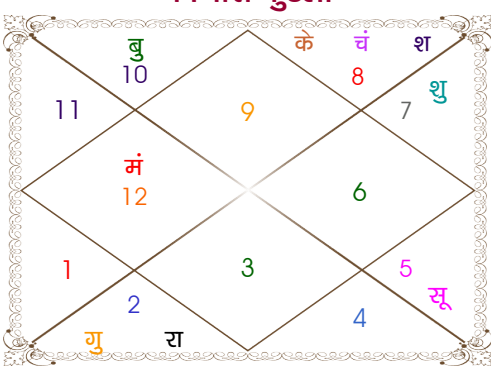

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 0 वर्ष 9 मास 11 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
09/02/2009		21/11/2009		21/11/2026		21/11/2033		21/11/2053	
21/11/2009		21/11/2026		21/11/2033		21/11/2053		21/11/2059	
	00/00/0000	बुध	19/04/2012	केतु	19/04/2027	शुक्र	22/03/2037	सूर्य	10/03/2054
	00/00/0000	केतु	16/04/2013	शुक्र	18/06/2028	सूर्य	23/03/2038	चंद्र	09/09/2054
	00/00/0000	शुक्र	15/02/2016	सूर्य	24/10/2028	चंद्र	21/11/2039	मंगल	15/01/2055
	00/00/0000	सूर्य	21/12/2016	चंद्र	25/05/2029	मंगल	21/01/2041	राहु	10/12/2055
	00/00/0000	चंद्र	23/05/2018	मंगल	21/10/2029	राहु	21/01/2044	गुरु	27/09/2056
	00/00/0000	मंगल	20/05/2019	राहु	09/11/2030	गुरु	21/09/2046	शनि	09/09/2057
	00/00/0000	राहु	06/12/2021	गुरु	16/10/2031	शनि	21/11/2049	बुध	16/07/2058
	09/02/2009	गुरु	13/03/2024	शनि	24/11/2032	बुध	21/09/2052	केतु	21/11/2058
गुरु	21/11/2009	शनि	21/11/2026	बुध	21/11/2033	केतु	21/11/2053	शुक्र	21/11/2059

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
21/11/2059		21/11/2069		21/11/2076		21/11/2094		22/11/2110	
21/11/2069		21/11/2076		21/11/2094		22/11/2110		10/02/2129	
चंद्र	21/09/2060	मंगल	19/04/2070	राहु	04/08/2079	गुरु	08/01/2097	शनि	25/11/2113
मंगल	22/04/2061	राहु	08/05/2071	गुरु	27/12/2081	शनि	23/07/2099	बुध	04/08/2116
राहु	22/10/2062	गुरु	12/04/2072	शनि	02/11/2084	बुध	29/10/2101	केतु	13/09/2117
गुरु	21/02/2064	शनि	22/05/2073	बुध	23/05/2087	केतु	04/10/2102	शुक्र	13/11/2120
शनि	21/09/2065	बुध	19/05/2074	केतु	09/06/2088	शुक्र	04/06/2105	सूर्य	26/10/2121
बुध	20/02/2067	केतु	16/10/2074	शुक्र	10/06/2091	सूर्य	24/03/2106	चंद्र	27/05/2123
केतु	22/09/2067	शुक्र	16/12/2075	सूर्य	04/05/2092	चंद्र	24/07/2107	मंगल	05/07/2124
शुक्र	22/05/2069	सूर्य	22/04/2076	चंद्र	03/11/2093	मंगल	29/06/2108	राहु	12/05/2127
सूर्य	21/11/2069	चंद्र	21/11/2076	मंगल	21/11/2094	राहु	22/11/2110	गुरु	10/02/2129

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 0 वर्ष 9 मा 12 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

ज्योतिषीय संरूपण आकृति से यह परिलक्षित हो रहा है कि आपका जन्म जयेष्ठा नक्षत्र के प्रथम चरण में वृश्चिक लग्न में हुआ था। वृश्चिक लग्नोदय काल धनु राशि का नवमांश एवं मीन राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपका जन्म कालिक प्रभाव यह सूचित कर रहा है कि आप अपना विचार तो किसी अन्य कार्य के सम्बन्ध में रखते हैं, परंतु आप उद्देश्य के विपरीत कार्य सम्पादन करते हैं। आपके जीवन का लक्ष्य है कि आप पर्याप्त मात्रा में धनोपार्जन कर लें ताकि अपना आनन्दमय जीवन सुखपूर्वक बिता सके।

आपके बाहरी भाव से ऐसा परिदृश्य हो रहा है कि आप उच्चकोटि के धार्मिक प्राणी हैं। आप वार्ताक्रम में यह आश्वस्त कर देते हैं कि वस्तुतः क्या ठीक अथवा क्या गलत हैं। आपका आचरण धार्मिक है तथा आप उच्चस्तरीय धार्मिक प्राणी हैं। परन्तु आपकी आन्तरिक भावना यह है कि आप विपरीत बातों के प्रति अपना धार्मिक उपदेश प्रदान करें। वास्तव में आपका झुकाव धन प्राप्ति की ओर रहती हैं। आपके मन में धन प्राप्ति के प्रति प्रबल उत्कंठा रहती हैं कि अपने जीवन का सम्पूर्ण आनन्द प्राप्त करें।

आप किसी भी प्रकार की अभद्रता पूर्ण कार्य-कलाप को त्यागने के लिए सक्षम हैं। आप पूर्ण शिक्षित, कुशाग्रबुद्धि के चालाक व्यक्ति हैं। आपमें यह विशेषता विद्यमान है कि आप जनसामान्य को अपनी ओर आकृष्ट कर लेते हैं। क्योंकि आपमें भाषा के प्रति अभिरूचि रहती है। आप काव्य-कला और सामान्य भाषा के ज्ञाता है। आपके लिए व्यवसायों में अनुकूल प्रेस, प्रकाशन, विज्ञापन, प्रचार, पुस्तकों का प्रकाशन तथा वाद्य यंत्र का निर्माण कार्य उपयुक्त है। यदि आपकी अभिरूचि हो तो आप अभियंत्रिकी कार्य भी सम्पादन कर सकते हैं।

आपको अच्छी प्रकार से यथेष्ठ धन प्राप्ति के सभी सुन्दर सुअवसर प्राप्त होंगे। परन्तु आप बहुतायत में धन का व्यय भी करेंगे। आप चाहते है कि जनसामान्य के दृष्टिकोण में प्रभावशाली दृश्य हों तथा मूल्यवान साज शय्याओं से युक्त घर सुसज्जित दिखें तथा आधुनिक सौन्दर्य से युक्त हो।

आप प्रेम प्रसंग में भी कुछ उपयुक्त हो सकते हैं। आप अपने जीवन संगिनी के प्रति श्रद्धा रखते हुए अत्यधिक द्रवित हो जाते हो। परन्तु यदि वह अस्वस्थ्यता प्रदर्शित करती है तो आप इसे भाग्य की विडम्बना समझकर अन्य स्त्री के साथ सम्बन्ध स्थापित करने को उद्यत हो जाते हो तथा इसे दुखद अनुभव करते हो तथा इसे संभावित घटना समझकर परित्याग करते हो। आप अपनी जीवन संगिनी के चयन के पूर्व आप अपने घरेलू कार्य-क्रम को विधिवत सम्पादित करते रहेंगे। आप अपने उत्तम जीवन-संगिनी के चयन एवं उत्तम तारतम्यता हेतु उस स्त्री का चयन करें जिसका जन्म वृश्चिक, कर्क, वृष, कन्या अथवा मकर राशि में हुआ हो।

आपका वासनात्मक उन्माद आपके स्वास्थ्य को समस्याग्रस्त बना सकता है। जिससे आपका गुप्तांग प्रभावित हो जायगा। अतः रोमांचकारी सीमा पर सावधानी पूर्वक चलें। इसके अतिरिक्त अन्य रोग यथा बवासीर एवं ट्यूमर रोग से भी आपका स्वास्थ्य अद्योगति को प्राप्त कर सकता है। अतः आपके लिए उचित मार्ग यह है कि आप अपने स्वास्थ्य के प्रति पूर्ण

सतर्क रहें, अन्यथा आपके जीवन के 13 वें 27 वें एवं 49 वें वर्ष में गंभीर स्वास्थ्य बाधा उपस्थित हो जाएगी। यदि आप सुनियोजित ढंग से समुचित सतर्कता बरतें तो उपरोक्त रोगों से सुरक्षित रह सकते हैं।

आपके लिए रंगों में अनुकूल रंग, नारंगी, लाल, पीला एवं क्रीम रंग है। परंतु आप सफेद, हरा एवं नीले रंगों का परित्याग करे।

आपके लिए अंकों में अनुकूल 1, 2, 3, 4 एवं 9 अंक अनुकूल एवं ग्राह्य है। परंतु अंक 5, 6 एवं 8 अंक अव्यवहारणीय है।

असाप्ताहिक दिनों में आपका भाग्यशाली दिन रविवार, सोमवार, एवं मंगलवार, है। आपके लिए वास्तव में शुक्रवार, बुधवार एवं शनिवार का दिन अनुकूल नही है।